



OK
27/3/86

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 529]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 5, 1985/आग्रहायण 14, 1907

No. 529] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 5, 1985/AGRAHAYNA 14, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह बलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1985

अधिसूचनाएं

सं. 348-सीमा-शुल्क

गा. का. नि. 885(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयानों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित संघटकों को (जिसके अन्तर्गत अर्द्ध-तैयार हालत और पूर्ण रूप से बिना तैयार हालत में ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटर यानों में संघटक भी हैं) —

(क) सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) का पहला अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उसने सीमा शुल्क से जितना मूल्य के 25 प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक है; और

(ख) उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से,

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

(i) इनमें अन्तर्निष्ठ छूट ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयानों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित केवल उन्हीं संघटकों को (जिनके अंतर्गत अर्द्ध-तैयार हालत और पूर्ण रूप से बिना तैयार हालत में ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटर

यानों में संघटक भौ. हैं) लागू होगी जो तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार से प्रतिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप, सचिव से प्रतिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा प्रमाणित सूचियों के अंतर्गत आते हैं;

- (ii) आयातकर्ता, सोसायुक्त सहायक कलक्टर के समक्ष इस आशय का साक्ष्य पेश करता है कि उक्त संघटकों का ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयानों के विनिर्माण के लिए उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) द्वारा और उद्योग मंत्रालय के तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित कार्यक्रम के अन्तर्गत ऐसे आयातकर्ता द्वारा आयात किया गया है; और
- (iii) आयातकर्ता, ऐसी अवधि के भीतर जो सोसायुक्त सहायक कलक्टर इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, केन्द्रिय उत्पाद-सूचक सहायक कलक्टर से जिसकी अधिकारिता में ऐसे ईंधन-दक्ष मोटर यानों का विनिर्माण करने वाला कारखाना स्थित है, इस आशय का प्रमाणपत्र पेश करेगा कि ऐसे आयात किए गए संघटकों का ईंधन-दक्ष चार पहिया मोटरयानों के विनिर्माण में प्रयोग किया गया है।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटर यान” से—

- (i) पेट्रोल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयान की दशा में ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो प्रति लीटर पेट्रोल में 15 किलोमीटर से कम नहीं चलती है; और
- (ii) डीजल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयान की दशा में ऐसा मोटरयान अभिप्रेत है जो प्रति लीटर डीजल में 20 किलोमीटर से कम नहीं चलती है,

और जो ग्रहमदनगर (महाराष्ट्र) स्थित रक्षा मंत्रालय के यान अनुसंधान विकास स्थापन या पुणे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालितयंत्र अनुसंधान संगम द्वारा किए गए परीक्षणों के आधार पर (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् ईंधन-दक्षता) परीक्षण कहा गया है) उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप सचिव के प्रतिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा तदनुसार प्रमाणित किया जाता है जिसमें निम्नलिखित को ध्यान में रखा जाएगा, अर्थात् :—

(क) ईंधन दक्षता परीक्षण—

- (i) पेट्रोल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटर यान की दशा में 500 किलोग्राम भारयोग से किया जाएगा, और
- (ii) डीजल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयान की दशा में 600 किलोग्राम भारयोग से किया जाएगा।
- (ख) ईंधन-दक्षता परीक्षण, यथास्थिति, पेट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आक्टेन लेवल 87 से अधिक नहीं है; या ऐसे डीजल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आक्टेन लेवल 42 है, और
- (ग) ईंधन-दक्षता परीक्षण किसी विशेष लेवल परीक्षण पथ पर कम से कम एक किलोमीटर दूरी तक 50 किलोमीटर प्रति घंटे की अपरिबर्ती गति से किया जाएगा और परीक्षण करने के लिए औसतन 20 चक्कर लगाए जायेंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समुद्र तल की ऊंचाई और $+25^\circ$ से. परिवेश ताप के आधार पर संशोधित किए जायेंगे।

2. यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1990 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है प्रवृत्त रहेगी।

[फा.सं. 346/89/85-टं. आर यू]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 5th December, 1985

NOTIFICATIONS

No. 348/85-Customs

G.S.R. 885(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components (including components of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles in semi knocked-down packs and completely knocked-down packs) required for the manufacture of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles, from—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 25 per cent. *ad valorem*; and

(b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

Subject to the following conditions, namely :—

- (i) the exemption contained herein shall be applicable only to those components (including components of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles in semi-knocked-downpacks and completely knocked-downpacks) which are covered by lists certified by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development and an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) to be required for the manufacture of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles;
- (ii) the importer produces evidence to the Assistant Collector of Customs to the effect that the said components have been imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) and the Industrial Adviser of the Additional Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development for the manufacture of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles; and
- (iii) the importer shall, within such period as the Assistant Collector of Customs may specify in this behalf, produce a certificate from the Assistant Collector of Central Excise in whose jurisdiction the factory manufacturing such fuel-efficient motor vehicles is situated to the effect that such imported components have been used in the manufacture of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles.

EXPLANATION.— For the purpose of this notification, “fuel efficient four wheeled cross-country motor vehicles”, means —

- (i) in the case of a petrol driven four wheeled cross-country motor vehicle, a motor vehicle which runs not less than 15 kilometres per litre of petrol; and
- (ii) in the case of a diesel driven four wheeled cross-country motor vehicle, a motor vehicle which runs not less than 20 kilometres per litre of diesel,

and certified accordingly by an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra), having regard to the following, namely :—

- (a) the fuel efficiency test shall be conducted—
 - (i) with a pay load of 500 kilograms, in the case of a petrol driven four wheeled cross-country motor vehicle; and
 - (ii) with a pay load of 600 kilograms in the case of a diesel driven four wheeled cross-country motor vehicle;
- (b) the fuel efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87 or diesel having a cetane level of 42, as the case may be; and
- (c) the fuel efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometres per hour for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +25°C ambient temperature.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of December, 1990.

[F.No. 346/89/85-TRU]

सं. 349/85-सीमा शुल्क

भा.का.नि. 886(प्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा

(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लाकड़ों में ऐसा करना आवश्यक है ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्रवार मोटरयानों के संघटकों को,—

- (क) सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अर्धीन उन पर उदग्रहणीय उतने सीमा शुल्क से जितना मूलानुसार 25 प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक है; और
- (ख) उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अर्धीन उन पर उदग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अर्धीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :—
 - (i) यह कि उक्त संघटकों का, ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्रवार मोटर यानों के विनिर्माता द्वारा आयात किया जाता है; और

- (ii) यह कि तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार से अनिम्न पंक्ति के अधिकारों और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप सचिव से अनिम्न पंक्ति के अधिकारों का प्रत्येक मामले में यह समाधान हो जाता है और वे यह प्रमाणित करते हैं कि मंचटकों का ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयानों के उक्त विनिर्माता द्वारा अपने ग्राहकों को वारंटेड व्याप्ति या विकल्प पश्चात्कर्ती सेवा (चाहे मुक्त या मूल्य पर) देने के प्रयोजन के लिए आयात किया गया है।

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “ईंधन-दक्ष चार पहिया क्षेत्रपार मोटरयान” से—

- (i) पेट्रोल चालित चार पहिया क्षेत्रपार मोटरयान को दशा में ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो प्रति लीटर पेट्रोल में 15 किलोमीटर से कम नहीं चलती है, और
- (ii) डीजल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयान की दशा में ऐसा मोटरयान अभिप्रेत है जो प्रति लीटर डीजल में 20 किलोमीटर से कम नहीं चलती है,

और जो ग्रहमदनगर (महाराष्ट्र) में स्थित रक्षा मंत्रालय के यान अनुसंधान विकास स्थापन या पुणे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र अनुसंधान संगम द्वारा किए गए परीक्षणों के आधार पर (जिनमें इसमें इसके पश्चात् ईंधन-दक्षता परीक्षण कहा गया है) उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप सचिव से अनिम्न पंक्ति के अधिकारों द्वारा तदनुसार प्रमाणित किया जाता है जिसमें निम्नलिखित को ध्यान में रखा जाएगा, अर्थात् :—

(क) ईंधन दक्षता परीक्षण—

- (i) पेट्रोल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयान की दशा में 500 किलोग्राम भारयोग से किया जाएगा, और
- (ii) डीजल चालित चार पहिया क्षेत्र पार मोटरयान की दशा में 600 किलोग्राम भार योग से किया जाएगा।
- (ख) ईंधन दक्षता परीक्षण, यथास्थिति, पेट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आवंटन लेवल 87 से अधिक नहीं है या ऐसी डीजल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आवंटन लेवल 42 है।
- (ग) ईंधन-दक्षता परीक्षण किनो विशिष्ट लेवल परीक्षण पथ पर कम से कम एक किलोमीटर दूरी तक 50 किलोमीटर प्रति घंटे की अपरिचर्ती गति से किया जाएगा और परीक्षण करने के लिए औसतन 20 चक्कर लगाए जायेंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समुद्री तल से ऊंचाई और $+25^\circ$ से परिवेश ताप के आधार पर संशोधित किये जायेंगे।

2. यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1990 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है प्रवृत्त रहेगी।

[फा.सं. 346/89/85-टो.आर.यू.]

No. 349/85-CUSTOMS

GSR 886 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles, from—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 25% *ad valorem*; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely:—

- (i) that the said components are imported by a manufacturer of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles, and
- (ii) that an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development and an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) are satisfied and certify in each case that the components are imported for the purpose of providing warranty coverage or after sales service (whether free of cost or at a price) by the said manufacturer of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles to their customers.

EXPLANATION.—For the purpose of this notification, “fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles”, means—

- (i) in the case of a petrol driven four wheeled cross-country motor vehicle, a motor vehicle which runs not less than 15 kilometres per litre of petrol; and
- (ii) in the case of a diesel driven four wheeled cross-country motor vehicle, a motor vehicle which runs not less than 20 kilometres per litre of diesel,

and certified accordingly by an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried

out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra), having regard to the following, namely :—

(a) the fuel efficiency test shall be conducted—

(i) with a pay load of 500 kilograms, in the case of a petrol driven four wheeled cross-country motor vehicle and

(ii) with a pay load of 600 kilograms in the case of a diesel driven four wheeled cross-country motor vehicle;

(b) the fuel efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87 or diesel having an octane level of 42, as the case may be; and

(c) the fuel efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometres per hour for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +25°C ambient temperature.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of December, 1990.

[F.No. 346/89/85-TRU]

सं० 350/85-सीमा-शुल्क

नं. का. नि. 887(प्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, माल को (कच्ची सामग्रों से भिन्न) जब उसका इससे उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के मोटरयानों के संघटकों के विनिर्माण के लिए, भारत में आयात किया जाए :—

(क) सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उतने सीमा शुल्क से जितना मूल्य के 25 प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है; और

(ख) उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है; अर्थात् :—

(1) इस अधिसूचना में अंतर्निहित छूट ईशान-दक्ष चार पहियों वाले क्षेत्र पार मोटरयानों के विनिर्माण के प्रयोग के लिए उक्त संघटकों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित केवल उसी माल (कच्ची सामग्रों से भिन्न) को लागू होगी जो तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप-सचिव से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा, प्रमाणित सूचियों के अंतर्गत आते हैं।

(2) आयातकर्ता सीमा शुल्क सहायक कन्ट्रोलर के समक्ष इस आशय का साक्ष्य पेश करता है कि उक्त माल (कच्ची सामग्रों से भिन्न) का उक्त संघटकों के विनिर्माण के लिए उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) या तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार द्वारा सध्यक रूप से अनुमोदित कार्यक्रम के अधीन ऐसे आयातकर्ता द्वारा आयात किया गया है, और

(3) आयातकर्ता, ऐसी अवधि के भीतर जो सीमा शुल्क सहायक कन्ट्रोलर इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप-सचिव से अनिम्न पंक्ति के किसी अधिकारी से इस आशय का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि उक्त माल (कच्ची सामग्रों से भिन्न) का ऐसे उक्त संघटकों के विनिर्माण में प्रयोग किया गया है, जो ऐसे मोटर यानों के विनिर्माण में प्रयोग के लिए ईशान-दक्ष चार पहियों वाले क्षेत्र पार मोटर यानों के विनिर्माताओं को प्रदाय किए गए हैं।

सारणी

क्रम सं.	संघटकों का वर्णन
(1)	(2)
1. कार्बोरेटर्स	
2. आटो इलेक्ट्रीकल्स, अर्थात् :—	
(1) स्टार्टर मोटर	

(1) (2)

- (2) आल्टरनेटर/संयंत्र
- (3) वोल्टेज रेगुलेटर
- (4) वाइपर संयंत्र जिसके अंतर्गत वाइपर मोटर भी हैं।
- (5) हेड लैम्प संयंत्र
- (6) वाइरिंग हारनेस
3. स्टोरियरिंग गियर और ड्रिवन एक्सल संयंत्र।
4. क्लच संयंत्र
5. ब्रंक संयंत्र
6. गियर बॉक्स
7. शाक एन्जोर्बर्स
8. डाश बोर्ड संयंत्र
9. इंजन

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए, ईंधन दक्ष चार पहियों वाले पार क्षेत्र मोटर यान से,—

- (1) किसी पेट्रोल चालित चार पहियों वाले पार क्षेत्र मोटर यान को दशा में, कोई ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो प्रति लीटर पेट्रोल में कम से कम 15 किलोमीटर चलेगा; और
- (2) किसी डीजल चालित चार पहियों वाले पार क्षेत्र मोटर यान को दशा में, कोई ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो प्रति लीटर डीजल में कम से कम 20 किलोमीटर चलेगा,

और जिसे प्रभुत्वशाली (महाराष्ट्र) स्थित रक्षा मंत्रालय के यान अनुसंधान विकास स्थापन या यण (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय मंत्रालय यंत्र अनुसंधान संगम द्वारा किए गए परीक्षणों के आधार पर (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् ईंधन दक्षता परीक्षण कहा गया है) उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग के उप सचिव से अनिम्न पंक्ति के किसी अधिकारी द्वारा तदनुसार प्रमाणित किए गए हैं, और जिसमें निम्नलिखित का ध्यान में रखा जाएगा अर्थात् :—

(क) ईंधन-दक्षता परीक्षण,—

- (1) पेट्रोल चालित चार पहियों वाले क्षेत्र पार मोटर यान को दशा में, 500 किलोग्राम भारयोग से किया जाएगा और
- (2) डीजल चालित चार पहियों वाले क्षेत्र पार मोटर यान को दशा में, 600 किलोग्राम भारयोग से किया जाएगा;
- (ख) ईंधन दक्षता परीक्षण, यथास्थिति, ऐसे पेट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आक्टेन लेवल 87 से अधिक नहीं है या ऐसे डीजल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आक्टेन लेवल 42 है, और
- (ग) ईंधन दक्षता परीक्षण किसी विशेष लेवल परीक्षण पथ पर कम से कम 1 किलोमीटर की दूरी तक 50 किलोमीटर प्रति घंटा की अपरिबर्ती गति से किया जाएगा और परीक्षण करने के लिए औसतन 20 चक्कर लगाए जाएंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समुद्र तल का ऊंचाई और + 25° से. परिवेश ताप के आधार पर संशोधित किए जाएंगे।

2. यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1990 तक जिसके अंतर्गत यह तारीख भी है, प्रवृत्त रहेगी।

[फा.सं. 346/89/85-टी आर य]

No. 350/85-CUSTOMS

G.S.R. 887(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (other than raw materials) when imported into India, for the manufacture of components of motor vehicles of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed, from—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 25 per cent, *ad valorem*; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely:—

- (i) the exemption contained in this notification shall be applicable only to those goods (other than raw materials which are covered by lists certified by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development and an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) to be required for the manufacture of the said components for use in the manufacture of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles;
- (ii) the importer produces evidence to the Assistant Collector of Customs to the effect that the said goods (other than raw materials) have been imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) and the Industrial Adviser or the Additional Industrial-Adviser of the Directorate General of Technical Development for the manufacture of the said components; and
- (iii) the importer shall, within such period as the Assistant Collector of Customs may specify in this behalf, produce a certificate from the Industrial Adviser or the Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development and an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) to the effect that the said goods (other than raw materials) have been used in the manufacture of the said components which have been supplied to the manufacturers of fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles for use in the manufacture of such motor vehicles.

TABLE

S.No.	Description of the Components
1	2
1.	Carburettors.
2.	Auto Electricals, namely :—
	(i) Starter Motor.
	(ii) Alternator/Generator.
	(iii) Voltage Regulator.
	(iv) Wiper assembly including wiper motor.
	(v) Head Lamp Assembly.
	(vi) Wiring Harness.
3.	Steering Gear and Driven Axle Assemblies.
4.	Clutch Assemblies.
5.	Brake Assemblies.
6.	Gear Box
7.	Shock Absorbers.
8.	Dash Board Assemblies.
9.	Engine.

EXPLANATION.—For the purposes of this notification, “fuel-efficient four wheeled cross-country motor vehicles”, means—

- (i) in the case of a petrol driven four wheeled cross-country motor vehicle, a motor vehicle which runs not less than 15 kilometres per litre of petrol; and
- (ii) in the case of a diesel driven four wheeled cross country motor vehicle, a motor vehicle which runs not less than 20 kilometres per litre of diesel,

and certified accordingly by an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence Ahmednagar (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra), having regard to the following, namely:—

- (a) the fuel efficiency test shall be conducted—

- (i) with a pay load of 500 kilograms, in the case of a petrol driven four wheeled cross country motor vehicle and
 - (ii) with a pay load of 600 kilograms in the case of a diesel driven four wheeled cross country motor vehicle;
 - (b) the fuel efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87 or diesel having an octane level of 42, as the case may be; and
 - (c) the fuel efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometres per hour for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +25°C ambient temperature.
2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of December, 1990.

[F.No. 346/89/85—TRU]

सं० 351/85-सीमा-शुल्क

सांका०नि० 888(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, इससे उपायद्वारा सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के ईंधन-दक्ष दो पहियों वाले मोटर यानों के संघटकों के विनिर्माण के लिये अपेक्षित माल (कच्ची सामग्री से भिन्न) को,—

- (क) सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उतने सीमा शुल्क से जितना मूल्य के 25 प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है; और
- (ख) उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अनिवार्य शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है अर्थात् :—

- (1) इसमें अन्तर्विष्ट छूट ईंधन-दक्ष दो पहियों वाले मोटर यानों के विनिर्माण में प्रयोग के लिये उक्त संघटकों के विनिर्माण के लिये अपेक्षित केवल उसी माल (कच्ची सामग्री से भिन्न) को लागू होंगे जो तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप-सचिव से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा, प्रमाणित सूचियों के अन्तर्गत आते हैं।
- (2) आयातकर्ता सीमा शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष इस आशय का साक्ष्य पेश करता है कि उक्त माल (कच्ची सामग्री से भिन्न) का उक्त संघटकों के विनिर्माण के लिये उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) और उद्योग मंत्रालय के तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित कार्यक्रम के अधीन ऐसे आयातकर्ता द्वारा आयात किया गया है, और
- (3) आयातकर्ता ऐसी अवधि के भीतर जो सीमा शुल्क सहायक कलक्टर इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप सचिव से अनिम्न पंक्ति के किसी अधिकारी से इस आशय का एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा कि उक्त माल (कच्ची सामग्री से भिन्न) का ऐसे उक्त संघटकों के विनिर्माण में प्रयोग किया गया है जो ऐसे मोटर यानों के विनिर्माण में प्रयोग के लिये ईंधन-दक्ष दो पहियों वाले मोटर यानों के विनिर्माताओं को प्रदाय किये गये हैं।

सारणी

क्रम सं०	संघटकों का वर्णन
(1)	(2)
1.	कारबोरेटर्स
2.	आटो इलैक्ट्रिकल्स अर्थात् :— (1) स्टार्टर मोटर (2) वोल्टेज रेगुलेटर (3) फ्लाइंग व्हील मैग्नेट्स (4) वाइरिंग हारनेस
3.	स्टीयरिंग गियर और एक्सल समंजन
4.	क्लच समंजन
5.	ब्रेक समंजन

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिये “ईंधन-दक्ष दो पहियों वाला मोटर यान” से ऐसा दो-पहियों वाला मोटर यान अभिप्रेत है जो अहमदनगर (महाराष्ट्र) स्थित रक्षा मंत्रालय के यान अनुसंधान विकास स्थापन या पुणे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र अनुसंधान संगम द्वारा किये गये परीक्षणों के आधार पर (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् ईंधन-दक्षता परीक्षण कहा गया है) उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के उप सचिव से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा—

- (i) 75 घन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाले दो पहियों वाले मोटर यान की दशा में प्रति लिटर पेट्रोल में कम से कम 80 किलोमीटर, ।
- (ii) 75 घन सेंटीमीटर से अधिक किन्तु 200 घन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाले दो पहियों वाले मोटर यान की दशा में प्रति लिटर पेट्रोल में कम से कम 55 किलोमीटर और
- (iii) 200 घन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाले दो पहियों वाले मोटर यान की दशा में, प्रति लिटर पेट्रोल में कम से कम 50 किलोमीटर चलने के लिये प्रमाणित है;

ऐसा करते समय निम्नलिखित को ध्यान में रखा जायेगा, अर्थात्:—

(क) ईंधन-दक्षता परीक्षण,—

- (i) 75 घन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाले दो पहियों वाले मोटर यान की दशा में 120 किलोग्राम भारयोग से किया जायेगा; और
- (ii) 75 घन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाले दो पहियों वाले मोटर यान की दशा में, 130 किलोग्राम भारयोग से किया जायेगा;
- (ख) ईंधन-दक्षता परीक्षण ऐसे पेट्रोल का प्रयोग करके किया जायेगा जिसका आबंटन लेबल 87 से अधिक नहीं है, और
- (ग) ईंधन दक्षता परीक्षण किन्ती विशिष्ट लेबल परीक्षण पथ पर कम से कम एक किलोमीटर दूरी तक—
- (i) 75 घन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाले दो पहियों वाले मोटर यान की दशा में 30 किलोमीटर प्रति घंटे की,
- (ii) 75 घन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाले दो पहियों वाले मोटर यान की दशा में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की,

अपरिवर्ती गति से किया जायेगा और परीक्षण करने के लिये औसतन 20 चक्कर लगाये जायेंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समुद्र तल को अंवाई और + 25° से० परिवेश ताप के आधार पर संशोधित किये जायेंगे ।

2. यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1989 तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है प्रवृत्त रहेगी।

[फा० सं० 346/89/85-टी०आर०यू०]

No. 351/85—Customs

G. S. R. No. 888 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (other than raw materials) required for the manufacture of components of fuel efficient two-wheeled motor vehicles of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed, from—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 25 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:—
- (i) the exemption contained herein shall be applicable only to those goods (other than raw materials) which are covered by lists certified by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development and an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) to be required for the manufacture of the said components for use in the manufacture of fuel efficient two-wheeled motor vehicles;
- (ii) the importer produces evidence to the Assistant Collector of Customs to the effect that the said goods (other than raw materials) have been imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) and the Industrial Adviser or the Additional Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry for the manufacture of the said components; and

- (iii) the importer shall, within such period as the Assistant Collector of Customs may specify in this behalf produce a certificate from the Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development and an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) to the effect that the said goods (other than raw materials) have been used in the manufacture of the said components which have been supplied to manufacturers of fuel efficient two-wheeled motor vehicles for use in the manufacture of such motor vehicles.

THE TABLE

Sl. No.	Description of the components
(1)	(2)
1.	Carburettors.
2.	Auto electricals, namely:—
	(i) Starter Motor.
	(ii) Voltage Regulator.
	(iii) Flywheel Magneto.
	(iv) Wiring Harness.
3.	Steering Gear and Axle assemblies.
4.	Clutch assemblies.
5.	Brake assemblies.

Explanations :—For the purposes of this notification, “fuel-efficient two-wheeled motor vehicle” means a two-wheeled motor vehicle which is certified to run—

- not less than 80 kilometres per litre of petrol in the case of a two-wheeled motor vehicle of engine capacity not exceeding 75 cubic centimetres;
- not less than 55 kilometres per litre of petrol in the case of a two-wheeled motor vehicle of engine capacity exceeding 75 cubic centimetres but not exceeding 200 cubic centimetres; and
- not less than 50 kilometres per litre of petrol in the case of a two-wheeled motor vehicle of engine capacity exceeding 200 cubic centimetres,

by an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra) having regard to the following namely:—

(a) the fuel-efficiency test shall be conducted—

- with a payload of 120 kilograms in the case of a two-wheeled motor vehicle of engine capacity not exceeding 75 cubic centimetres, and
- with a payload of 130 kilograms in the case of a two-wheeled motor vehicle of engine capacity exceeding 75 cubic centimetres;

(b) the fuel-efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87; and

(c) the fuel-efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of—

- 30 kilometres per hour in the case of a two-wheeled motor vehicle of engine capacity not exceeding 75 cubic centimetres, and
- 40 kilometres per hour in the case of a two-wheeled motor vehicle of engine capacity exceeding 75 cubic centimetres,

for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +25°C ambient temperature.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of July, 1989.

[F. No. 346/89/85—TRU]

सं० 352/85-सीमा-शुल्क.

सा०का०नि० 889(अ) :—केन्द्रीय सरकार वित्त अधिनियम, 1985 (1985 का 32) की धारा 43 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) को अधिसूचना सं० 161/85-सीमा-शुल्क तारीख 24-5-1985 में निम्नलिखित और संशोधन करता है अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में,—

- (i) क्रम सं० 5, 7, 8 और 11 और उनसे सम्बन्धित प्रविष्टियों का लोप किया जायगा;
- (ii) क्रम संख्या 13 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जायेंगी, अर्थात्:—

“14. सं० 351-सीमा-शुल्क तारीख 5 दिसम्बर, 1985”।

[फा०सं० 346/89/85-टी० आर० य०]

NC. 352/85—Customs

G.S.R. No. 889 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 43 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 161/85-Customs, dated the 24th May, 1985, namely:—

In the Schedule to the said notification:—

- (i) Serial Nos. 5, 7, 8 and 11 and the entries relating thereto shall be omitted;
- (ii) after Serial No. 13 and the entry relating thereto, the following Serial No. and entry shall be inserted, namely:—

“14. No. 351—Customs, dated the 5th December, 1985”.

[F. No. 346/89/85—TRU]

सं० 353/85-सीमा-शुल्क

सा०का०नि० 890(अ):—केन्द्रीय सरकार वित्त अधिनियम, 1985 (1985 का 32) की धारा 43 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) को अधिसूचना सं० 162/85-सीमा-शुल्क, तारीख 24 मई, 1985 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में क्रम सं० 11 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टिया अन्तःस्थापित की जायेंगी अर्थात्:—

- “12. सं० 29-सीमा-शुल्क, तारीख 25 फरवरी, 1983
13. सं० 320-सीमा-शुल्क, तारीख 21 दिसम्बर, 1983
14. सं० 6-सीमा-शुल्क, तारीख 10 जनवरी, 1984]
15. सं० 254-सीमा-शुल्क, तारीख 8 अक्टूबर, 1984]
16. सं० 348-सीमा-शुल्क तारीख 5 दिसम्बर, 1985]
17. सं० 349-सीमा-शुल्क, तारीख 5 दिसम्बर, 1985]
18. सं० 350-सीमा-शुल्क, तारीख 5 दिसम्बर, 1985”।

[फा०सं० 346/89/85-टी०आर०यू०]

No. 353/85—Customs

G.S.R. No. 890 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 43 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 162/85—Customs, dated the 24th May, 1985, namely:—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 11 and the entry relating thereto, the following Serial Nos. and entries shall be inserted, namely:—

- “12. No. 29—Customs, dated the 25th February, 1983.
13. No. 320—Customs, dated the 21st December, 1983.
14. No. 6—Customs, dated the 10th January, 1984.

15. No. 254—Customs, dated the 8th October, 1984.
16. No. 348—Customs, dated the 5th December, 1985.
17. No. 349—Customs, dated the 5th December, 1985.
18. No. 350—Customs, dated the 5th December, 1985”.

[F. No. 346/89/85—TRU]

सं० 354/85-सीमा-शुल्क

सांकांनि० 891(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 254/84-सीमा-शुल्क, तारीख 8-10-1984 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के प्रथम पैरा में,

- (1) प्रारम्भिक भाग में, “और दो पहिये वाले मोटरयान” शब्दों का लोप किया जायेगा।
- (2) शर्त (i) में “और दो पहिये वाले मोटरयान” शब्दों का लोप किया जायेगा ;
- (3) शर्त (iii) में, “और दो पहिये वाले मोटरयान” और “और मोटरयान” शब्दों का लोप किया जायेगा ;
- (4) सारणी में, क्रम संख्या 2 के सामने, स्तम्भ (2) की मद (4) में, “फ्लाईव्हील मैग्नेटोस” शब्दों का लोप किया जायेगा; और
- (5) “स्पष्टीकरण 1” शब्दों और अंक के स्थान पर “स्पष्टीकरण” शब्द रखा जायेगा और स्पष्टीकरण 2 का लोप किया जायेगा।

[का०सं० 346/89/85-टी आर०यू०]

के० एस० वेंकटगिरि, अव्वर सचिव

No. 354/85—CUSTOMS

G.S.R. No. 891 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 254/84—Customs, dated the 8th October, 1984, namely:—

In the said notification, in the first paragraph:—

- (1) in the opening portion, the words “and two-wheeled motor vehicles” shall be omitted;
- (2) in condition (i), the words “and two-wheeled motor vehicles” shall be omitted;
- (3) in condition (iii), the words “and two-wheeled motor vehicles” and “and motor vehicles” shall be omitted;
- (4) in the Table, against S. No. 2, in column (2), in item (iv), the words “Flywheel Magnetos” shall be omitted; and
- (5) for the words and figures “Explanation I”, the word “Explanation” shall be substituted, and Explanation II shall be omitted.

[F. No. 346/89/85—TRU]

K. S. VENKATAGIRI, Under Secy.